सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 332 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 13 जनवरी, 2024

उस काम को, जिसे तुम दूसरे व्यक्ति में बुरा समझते हो, स्वयं त्याग दो परंतु दूसरों पर दोष मत लगाओ।

-स्वामी रामतीर्थ

ध्रुव जुरेल होंगे भारतीय टेस्ट टीम में... 7 | लोस सीटों के बंटवारे ने उड़ाई... 3 | पीडीए का बजट काटकर अन्य... 2

इंडिया गठबंधन की बैठक में हर मुद्दे पर खुलकर हुई चर्चा

» गठबंधन की वर्चुअल बैठक में 14 दलों के नेता रहे मौजूद

» ममता-उद्धव नहीं हुए शामिल

» संयोजक व सीट बंटवारे पर हुई बात, नीतीश का इंकार

» खरगे, पवार, लालू, स्टालिन व रामगोपाल बैठक में रहे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव-24 की तैयारियों में हर सियासी पार्टी जुट गई है। सत्ता पक्ष के साथ विपक्षी गठबंधन इंडिया ज्यादा सक्रिय हो गया है। शनिवार को आगामी रणनीति को लेकर गठबंधन ने वर्चुअल बैठक किया। इस अहम बैठक में 14 दलों के नेता मौजूद हैं। हालांकि, ममता-उद्धव ठाकरे बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। बैठक में संयोजक के नाम पर मुहर लग सकती है। वहीं सूत्रों द्वारा जानकारी मिल रही है नीतीश संयोजक बनने से मना कर दिया है। सारे नेता इसमें गठबंधन को मजबूत करने, सीट बंटवारे पर रणनीति बनाने को लेकर चर्चा करेंगे।

फाइल फोटो

जल्द ही टूट जाएगा ये गठबंधन : दिलीप घोष

वहीं इस पर भाजपा नेता दीलीप घोष ने शनिवार को कहा कि इंडी गठबंधन सिर्फ बैठक करता है, कुछ काम नहीं करता। इससे कुछ नहीं होगा और जल्द ही यह गठबंधन टूट जाएगा। बता दें कि इंडी गठबंधन इन दिनों बंगाल में ही मुश्किलें झेल रहा है जहां कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने गठबंधन पार्टी टीएमसी को भी ईडी अधिकारियों पर हमले के लिए जनता के बीच में ब्लेम किया। छह जनवरी को अधीर रंजन चौधरी ने कहा, भारत में कहीं भी ऐसा कुछ नहीं हुआ है जैसा संदेशखाली में हुआ। गुंडों की इस वक्त कितनी हिम्मत बढ़ गई है, ये उसका उदाहरण था। यह घटना दिखाती है कि पुलिस और शासन कर रही पार्टी के बीच कैसा रिश्ता है।

बैठक में कांग्रेस की तरफ से सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी, एनसीपी से शरद पवार, खरगे और सीपीआई (एम) से सीताराम येचुरी मौजूद हैं। इस बैठक को लेकर सियासत भी गरमाई हुई है। बीजेपी ने निशाना साधते हुए कहा कि जल्द ही सब फिर फुस्स हो जाएगा। गौरतलब हो कि इंडिया गठबंधन की पहली बैठक बिहार के पटना में 23 जून 2023 को हुई थी। इसमें कई अहम मुद्दों पर बात की गई थी। वहीं एक वरिष्ठ तृणमूल कांग्रेस नेता के मुताबिक, कई कारण हैं कि वह बैठक में किसी तरह का प्रतिनिधित्व करने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, सबसे पहले, हमें वर्चुअल बैठक के बारे में शुक्रवार दोपहर को अंतिम क्षण में सूचित किया गया था। किसी को यह समझना होगा कि एक मुख्यमंत्री के रूप में उनके पास अन्य पूर्व-निर्धारित कार्य हैं और अंतिम क्षण में दी गई सूचना के आधार पर शेड्यूल में बदलाव नहीं किया जा सकता।

आईएनडीआईए को देश के विकास की कोई चिंता नहीं : नित्यानंद

आज होने वाली भारतीय गठबंधन की बैठक पर केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय का कहना है कि, हर कोई जानता है कि यह घमंडिया गठबंधन है। गठबंधन केवल तुष्टीकरण करता है। उन्हें देश या देश के विकास की कोई चिंता नहीं है, जनता चाहती है कि पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें।

संयोजक को लेकर है मतभेद

हालांकि तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस बैठक में शामिल नहीं हुई हैं। बताया जा रहा है कि वह किसी और कार्यक्रम में व्यस्त थीं, सूत्रों के मुताबिक, आज की बैठक का सबसे अहम मुद्दा विपक्षी गठबंधन के संयोजक की नियुक्ति है। जेडीयू नीतीश कुमार को संयोजक बनाना चाहती है, लेकिन बताया जा रहा है कि टीएमसी इसका विरोध कर रही है। बता दें कि इससे पहले भी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों ने वर्चुअल मीटिंग में इन सब मुद्दों पर चर्चा की कोशिश की थी, लेकिन तब बात नहीं बन पाई थी। अंत में, जैसा कि तृणमूल कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों ने संकेत दिया है, मुख्यमंत्री कांग्रेस नेतृत्व से बेहद नाराज हैं। तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा, इसके साथ ही, राज्य कांग्रेस नेतृत्व पश्चिम बंगाल में आठ से 10 सीटों के लिए बेतुके दावे कर रहा है।

ईडी ने भेजा अरविंद केजरीवाल को चौथा समन

» 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक और समन प्रवर्तन निदेशालय ने जारी किया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को ईडी का ये चौथा समन है। इससे पहले दिये नोटिस पर केजरीवाल ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। इन्हें केजरीवाल ने गैरकानूनी बताया था। अब चौथा समन जारी कर ईडी ने अरविंद केजरीवाल को 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया।

आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि दिल्ली का कथित शराब घोटाला फर्जी है। उन्होंने कहा कि अगर प्रवर्तन निदेशालय दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'वैध समन भेजेगा, तो वह उसके साथ सहयोग करेंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल तीसरे समन पर, दिल्ली आबकारी नीति मामले में ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए और उन्होंने समन को 'अवैध और 'राजनीति से प्रेरित बताया था।

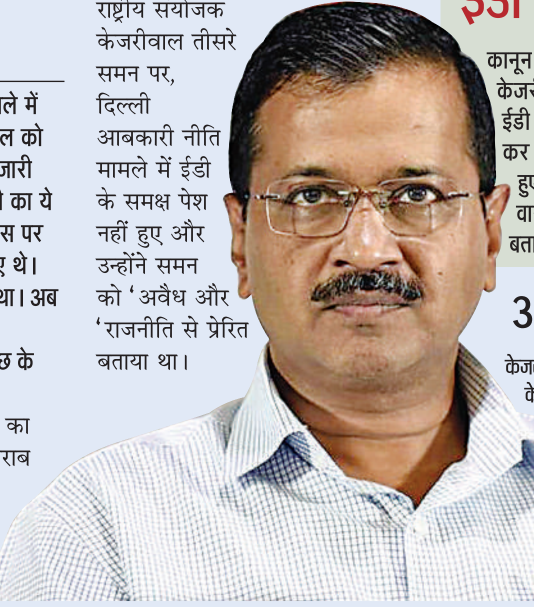

ईडी को गिरफ्तारी का अधिकार, दिल्ली सीएम कोर्ट जा सकते हैं

कानून के जानकारों के अनुसार, सीएम केजरीवाल के बार-बार पेश नहीं होने पर ईडी उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी कर सकती है। उसके बाद भी पेश नहीं हुए तो धारा 45 के तहत गैर जमानती वारंट जारी कर सकती है। जानकार बताते हैं कि पेश नहीं हो पाने की ठोस वजह बताई जाती है तो ईडी समय दे सकती है। फिर दोबारा नोटिस जारी करती है। पीएमएल एक्ट में नोटिस की बार-बार अवहेलना पर गिरफ्तारी हो सकती है। अगर केजरीवाल आगे पेश नहीं होते हैं तो जांच अधिकारी आवास पर जाकर पूछताछ कर सकते हैं। ठोस सबूत होने पर या सवालों के संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें गिरफ्तार कर सकते हैं। वहीं, केजरीवाल वारंट जारी होने के बाद कोर्ट जा सकते हैं और अपने एडवोकेट की मौजूदगी में जांच में सहयोग करने का वादा कर सकते हैं। इस पर कोर्ट श्वष्ठ को उन्हें गिरफ्तार नहीं करने का निर्देश दे सकती है।

3 समन पर पेश नहीं हुए केरीवाल

केजरीवाल इससे पहले भी दो नवंबर, 21 दिसंबर और फिर 3 जनवरी को ईडी के सामने पेश नहीं हुए थे। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उन्हें आगामी लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए गिरफ्तार करना चाहती है। उन्होंने कहा, मेरे वकीलों ने मुझे बताया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समन गैरकानूनी हैं, भाजपा मुझे लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकने के लिए गिरफ्तार करना चाहती है।

केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश : जैस्मिन

आप नेता जैस्मिन शाह का कहना है कि कथित शराब घोटाले की जांच पिछले दो साल से जारी है, लेकिन अब तक ईडी ने सबूत के तौर पर कुछ बरामद नहीं किया है। तथाकथित शराब घोटाले की जांच फर्जी है। इस मामले में जांच पिछले दो वर्षों से जारी है और ईडी ने 500 से अधिक गवाहों से पूछताछ की है और 1,000 से अधिक छापे मारे हैं, लेकिन अब तक सबूत के तौर पर एक रुपया भी बरामद नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि यह विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन के शीर्ष नेताओं को निशाना बनाने और चुनाव प्रचार करने से रोकने के लिए लोकसभा चुनाव से पहले केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश है।

पीडीए का बजट काटकर अन्य आयोजनों पर लगाया : अखिलेश

» युवाओं को रोकने के लिए लाई गई अग्निवीर योजना

» राम के नाम पर मुझे बीजेपी कर रही अपमानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर योजना पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) युवाओं को सेना में जाने से रोकने के लिए लाई गई है। खुद सैन्य अफसर ने कहा कि वर्ष 2027 तक सेना में एक लाख की संख्या कम हो जाएगी। भाजपा सरकार जानती है सेना में पीडीए के लोग ज्यादा हैं। पहले उन्हें सेना की नौकरी मिल जाती थी तो घर में खुशहाली आती थी।

भाजपा सरकार ने जानबूझकर अग्निवीर योजना लाकर इन नौजवानों को अपमानित करने का काम किया है। प्रयागराज के एक हॉस्टल में छात्रों की सुविधाओं में कटौती पर कहा कि पीडीए का बजट काटकर उसे विशेष आयोजनों पर लगाया जा रहा है। वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर हमें अपमानित न करें। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का उन्हें कोई निमंत्रण नहीं मिला। कोई कुरियर भी अभी तक नहीं आया। न घर पर और न दफ्तर में। अखिलेश यादव ने ये बातें शुक्रवार को प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि पता चला है कि उनके लिए 22 जनवरी का निमंत्रण कुरियर के माध्यम से भेजा गया, लेकिन यह कुरियर उन्हें आज तक प्राप्त नहीं हुआ है। अखिलेश ने कहा, मीडिया के लोग ही मुझे भेजे गए कुरियर की रसीद उपलब्ध करवा दें। अखिलेश ने यह भी कहा कि जिस तरह से निमंत्रण की खबर फैलाई जा रही है, उससे मुझे उसी तरह से अपमानित किया जा रहा है, जैसे हमारे सत्ता से जाने के बाद मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाकर अपमानित किया गया था।

बसपा को गठबंधन में लाना चाहती है कांग्रेस

उधर, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि यूपी से कांग्रेस के 35 सीटों का प्रस्ताव देने के बाद से सपा असहज है। उसने सभी सीटों पर दो-दो प्रस्तावित उम्मीदवारों के नाम मांगे हैं। इस पर कांग्रेस ने भी सपा के प्रस्तावित उम्मीदवारों के नाम मांग लिए हैं। इसी वजह से आज की बैठक स्थगित कर दी गई है। कांग्रेस, गठबंधन में बसपा और सपा दोनों को साथ रखना चाहती है। इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि उन्होंने 35 सीटों का ब्यौरा दे दिया है। गठबंधन के मामले में अभी शीर्ष नेतृत्व की ओर से कोई जानकारी नहीं दी गई है।

रामगोपाल को मिली सीटों के बंटवारे की जिम्मेदारी

सपा-कांग्रेस की बैठक टली, अब यह बैठक 15 जनवरी के बाद

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर कहा कि सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव को वार्ता की जिम्मेदारी दी गई है। वर्ष 2019 व 2022 चुनाव का आंकड़ा हम लोगों के सामने है। उसके आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। वही, इस संबंध में दोनों दलों की दिल्ली में शुक्रवार को प्रस्तावित बैठक नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि सीटों को लेकर कांग्रेस का होमवर्क पूरा न होने के कारण उनकी तरफ से ही बैठक टालने का अनुरोध किया गया था। इंडिया गठबंधन में सीटों पर बातचीत के लिए सपा ने प्रो. रामगोपाल यादव, सांसद जावेद अली, विधायक संग्राम सिंह यादव व लालजी वर्मा और पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह का पैनल बनाया है। 12 जनवरी की प्रस्तावित बैठक में भाग लेने ये सभी नेता दिल्ली पहुंच भी गए थे। सपा सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद का बैठक टालने के लिए फोन आया। अब यह बैठक 15 जनवरी के बाद होगी। सपा ने कांग्रेस से यह बताने को कहा है कि जिन सीटों पर वो दावा कर रही है, पिछले चुनावों में वहां उसकी स्थिति क्या रही है, किस प्रत्याशी को वहां से लड़ाना चाहती है और जीत के समीकरण क्या हैं। कांग्रेस का यह होमवर्क पूरा नहीं हो सका था, इसलिए बैठक टालने पड़ी। अब यह बैठक 16-17 जनवरी को होने की उम्मीद है।

दिल्ली में सीट बंटवारे पर आप व कांग्रेस में बनी बात

» आप 4 और कांग्रेस 3 सीटों पर लड़ सकती है लोकसभा चुनाव

» पंजाब-गुजरात पर अलग से होगी बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात में से चार सीटों पर आम आदमी पार्टी और तीन पर कांग्रेस अपने प्रत्याशी उतार सकती है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के तहत दोनों दलों के बीच बैठक में इस फॉर्मूले पर मुहर लग गई है। हालांकि, दोनों ही दलों ने इसका खुलासा नहीं किया है। उनके नेताओं ने कहा कि खुशनुमा माहौल में बैठक हुई है और बैठक में लिए निर्णय के बारे में आगामी दिनों के बाद बताया जाएगा। इससे पहले आठ जनवरी को भी दोनों दलों के बीच बैठक हुई थी।

आप और कांग्रेस के नेताओं के बीच शुक्रवार की शाम कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक के निवास पर बैठक हुई। बैठक में आप की ओर से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा व संदीप पाठक, दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी व सौरव भारद्वाज आए, जबकि कांग्रेस की तरफ से मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद, अशोक गहलोत, मोहन प्रकाश शामिल हुए। करीब दो घंटे चली बैठक में उनके बीच मुख्य तौर पर दिल्ली की सातों सीटों पर चर्चा हुई। दिल्ली से प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली बैठक में आए थे, हालांकि वह बैठक के बीच में एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए चले गए थे। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस उत्तर-पूर्वी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली और उत्तर-पश्चिम दिल्ली लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि आम आदमी पार्टी नई दिल्ली, चांदनी चौक, पश्चिमी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी। दोनों दलों के बीच पंजाब और गुजरात की सीटों पर भी बातचीत की गई।

अयोध्या में राम मंदिर बने मेरे पिता का था सपना : उद्धव

» राष्ट्रपति को कालाराम मंदिर में आरती का भेजा निमंत्रण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को एक पत्र लिखा है। ठाकरे ने 22 जनवरी को नासिक के कालाराम मंदिर में आरती में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया है। उद्धव ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए अहम है, इसलिए इसके लिए हम कालाराम मंदिर में आरती कर रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने ये निमंत्रण ऐसे समय में भेजा है, जब राष्ट्रपति को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का न्योता मिला है। अब देखना ये होगा कि

राष्ट्रपति कहां जाती हैं। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण मेरे पिता का भी सपना था। उन्होंने कहा कि आज मंदिर का निर्माण हो रहा है यह खुशी का क्षण है, लेकिन प्राण प्रतिष्ठा के लिए शंकराचार्य से विचार-विमर्श करना चाहिए था। उद्धव ने इसी के साथ कहा कि 22 जनवरी को वो बाद में गोदावरी नदी के तट पर आरती करेंगे।

मुझे आज भी लोग प्यार करते हैं : शिवराज

» बोले- मैं पूर्व सीएम हूं, कोई रिजेक्टेड नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह का सीएम न बन पाने की टीम समय-समय पर बाहर आ ही जाती है। ताजा बयान में उन्होंने कहा है कि पूर्व सीएम हूं कोई रिजेक्टेड नहीं। हालांकि उनके भविष्य पर अब तक बीजेपी ने कोई संकेत नहीं दिया है। ये अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनके लिए पार्टी क्या विचार कर रही है।

इस बीच शिवराज सिंह चौहान

ने कहा कि उनको पूर्व मुख्यमंत्री कहा जाता है, लेकिन यह रिजेक्शन नहीं है, उन्होंने कहा कि सीएम पद से हटने के बाद भी मध्य प्रदेश के लोग उनको बहुत प्यार करते हैं। पुणे में एमआईटी स्कूल ऑफ गवर्नमेंट में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पूर्व सीएम शिवराज ने कहा, मुझे अब पूर्व मुख्यमंत्री कहा जाता है, लेकिन मैं एक रिजेक्टेड मुख्यमंत्री नहीं हूं, कई बार, मुख्यमंत्री तब पद छोड़ देते हैं जब लोग उन्हें लंबे समय तक सत्ता में रहने के लिए गालियां मिलने लगती हैं। लेकिन सीएम पद छोड़ने के बाद भी लोग जहां जाते हैं लोग उनको मामा कहकर बुलाते हैं, लोगों का प्यार ही मेरा असली खजाना है। बीजेपी के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मुख्यमंत्री पद से हटने का मतलब यह नहीं है कि मैं सक्रिय राजनीति छोड़ दूंगा।

11 चुनाव जीते, कभी अपने लिए प्रचार नहीं किया

शिवराज सिंह ने जोर देते हुए कहा कि वह अहंकार की भाषा नहीं बोलते। उन्होंने 11 चुनाव जीते हैं लेकिन अपने लिए कभी प्रचार नहीं किया। उन्होंने बताया कि नामांकन दाखिल करने से ठीक एक दिन पहले वह निर्वाचन क्षेत्र में जाते हैं, शिवराज सिंह ने कहा कि अगर ईमानदारी से चुनाव लड़ा जाए तो लोग आपके साथ रहेंगे। शिवराज सिंह चौहान की यह टिप्पणी मोहन यादव के मध्य प्रदेश की सत्ता संभालने के एक महीने बाद आई है।

एक लाख कार्यकर्ता जाएंगे अयोध्या : जीतू पटवारी

» कांग्रेस के निमंत्रण ठुकराने के बाद मप्र के अध्यक्ष का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कायक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने अधूरे मंदिर के निर्माण में प्राण प्रतिष्ठा करने और भाजपा पर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाकर आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। इस बयान को लेकर कांग्रेस चौतरफा घिर गई। इस निर्णय पर आपत्ति लेते हुए धार जिला कांग्रेस के प्रवक्ता ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि पार्टी के निर्णय से मुझे आघात हुआ।

अब मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने केंद्रीय नेताओं के निर्णय का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण पूरा होने पर एक लाख से

ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ता श्रीराम भगवान के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। वहीं, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, यज्ञ-अनुष्ठान में कौन से नियमों का पालन करना है ये तो सर्वोच्च पद पर आसीन धर्म गुरु ही बता सकते हैं और सनातन धर्म में शंकराचार्य से बड़ा कोई पद नहीं होता। एक नहीं चारों मान्य पीठों के शंकराचार्य शास्त्र सम्मत पूजा विधि की अवहेलना एवं अधूरे निर्मित मंदिर में भगवान के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा को अनुचित मान रहे हैं।

लोस सीटों के बंटवारे ने उड़ाई सियासी दलों की नींद

यूपी में भाजपा को पटखनी देने की सपा-बसपा व कांग्रेस की मंशा

- » एमपी के दांव से बिहार में बीजेपी लेना चाहती है चुनावी छांव
- » बीजेपी, आरजेडी के वोटबैंक पर करेगी सेंधमारी
- » दक्षिण भारत में भी वोटों पर राष्ट्रीय पार्टियों की नजर
- » लालू भी बीजेपी के खिलाफ ठोकेंगे ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों की तैयारी में सारे सियासी दल जुट चुके हैं। बीजेपी, कांग्रेस से लेकर सभी सियासी दल अपने को चुनावी रंग में रंगवाने को तैयार हैं। सभी पार्टी अपनी-अपनी विचारधारा के आधार पर जनता के सामने जाने की तैयारी में जुट गए हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण तक सियासी दल गठबंधन करने की योजना तो बना ही रहे हैं साथ ही सीटों के बंटवारे के लिए भी माथापच्ची कर रहे हैं। वहीं बिहार में बीजेपी अब पूरी तरह चुनावी मोड में आ चुकी है। इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पार्टी ने अपनी रणनीति को जमीन पर उतारना शुरू कर दिया है। इसी प्लानिंग के तहत बीजेपी की नजर अब आरजेडी के वोटबैंक पर है। लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल का कोर वोटबैंक यादव समाज को माना जाता है। अब, भारतीय जनता पार्टी मिशन यादव के तहत इसी वोटबैंक में सेंध लगाने की तैयारी कर रही है।

इसके लिए पार्टी ने मध्य प्रदेश में बड़ा गेम खेला। मध्य प्रदेश में जीत के बाद बीजेपी ने जब मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया था तभी माना जा रहा था कि इनके जरिए पार्टी बिहार में यादवों के वोटबैंक में सेंध लगाने की कोशिश करेगी। बीजेपी अब मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को बिहार की सियासत में उतारने की तैयारी में है। पार्टी के वरिष्ठ यादव नेताओं की ओर से श्रीकृष्ण चेतना मंच के बैनर तले मोहन यादव का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एमपी के सीएम मोहन यादव के स्वागत के लिए बीजेपी के नेता पुरजोर तैयारी में जुटे हैं। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि इस कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों के यादव समाज के बड़े चेहरों को आमंत्रित किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने बिहार दौरे पर बीजेपी कार्यालय भी पहुंचेंगे और इस्कॉन मंदिर भी जाने की संभावना है। बीजेपी के एक नेता का कहना है कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री लोकसभा चुनाव के पहले बिहार दौरे पर आते रहेंगे। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने के बाद मोहन यादव का यह पहला बिहार दौरा होगा। अब देखना होगा कि मोहन यादव की एंट्री से बिहार की सियासत में बीजेपी को कितना फायदा होगा ये देखना दिलचस्प रहेगा। उधर आरजेडी सुप्रीमो की इस पर क्या रणनीति होगी इस पर भी नजर रहेगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए लालू यादव की पार्टी राजद तैयारी में जुट गई है। पार्टी के नेता हर रोज बैठक कर रहे हैं। हालांकि इंडी गठबंधन में अब तक सीटों की शेयरिंग को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हो पाई है। दूसरी तरफ राजद ने चुनाव की तैयारी शुरू करते हुए कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन आरंभ कर दिया है। राजद जिला कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में सहकारिता मंत्री सुरेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के झूठे वादे और उसकी काली करतूत को जन-जन तक पहुंचाने का काम करने की जरूरत है। पिछले चुनावी सभा में हर साल दो करोड़ युवाओं को नौकरी देने का वादा कर छल किया है, लेकिन हमारे नेता उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने युवाओं को रोजगार देकर सम्मान देने का काम किया है। इसके साथ ही बिहार में जाति गत गणना करा नई दिशा देने का काम किया है। इसलिए पार्टी के हर कार्यकर्ता को आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संकल्प लेना होगा। श्री यादव बुधवार को जीरोमाइल स्थित विवाह भवन में आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई और नई शिक्षा नीति लागू कर देश की कमर तोड़ने का काम किया है। इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा भाजपा सरकार ने जो संविधान पर हमला कर बाबा साहेब डॉ भीमराव आंबेडकर के सपनों के साथ खिलवाड़ करने का कार्य किया है। इसके जवाब में संविधान बचाओ, देश बनाओ का नारा लेकर पार्टी के कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचने का संकल्प लें। ताकि इसका जवाब लोकसभा चुनाव में दिया जा सके। इनके अलावा विधान पार्षद डॉ. अजय कुमार सिंह, विधायक अनिरूद्ध कुमार यादव, बिजय कुमार मंडल, प्रदेश प्रवक्ता महोम्मद एजाज अहमद, राजद जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर प्रसाद यादव ने अपने विचार रखे। सम्मेलन में वरिष्ठ राजद नेता केदारनाथ यादव, विधायक धौरेया भूदेव चौधरी, पूर्व विधायक पीरपैंती रामविलास पासवान, पूर्व विधायक सुल्तानगंज फणींद्र चौधरी, प्रदेश सचिव डा. तिरुपति नाथ यादव, उप महापौर भागलपुर प्रो सलाउद्दीन अहसन सहित डॉ नितेश, नट बिहारी मंडल तथा महिला महानगर अध्यक्ष सीमा जयसवाल सहित कई नेता मौजूद थे।

गठबंधन में मायावती को जोड़ने की कवायद

कई राजनीतिक जानकार मानते हैं कि सपा और बसपा दोनों बराबर सीटों पर लड़ने का फैसला ले सकते हैं. इसके अलावा एक जौनपुर सीट जेडीयू से धनंजय सिंह, नगीना से चंद्रशेखर आजाद और अपना दल कमेरावादी की पल्लवी पटेल को कुर्मी वोटरों वाली सीट पर चुनाव लड़ाया जा सकता है। सपा की लिस्ट में बीस सीटें ऐसी है जिस पर वो हर हाल में चुनाव लड़ना चाहती ह, इसके लिए अभी से मंथन हो रहा है। बसपा सुप्रीमो मायावती भी समझ गई हैं कि अर वो अकेले चुनाव लड़ती हैं तो उनका फ़ायदा नहीं है। लेकिन अगर वो फिर से सपा के साथ जाती है तो पार्टी में नई जान फूंकी जा सकती है, ऐसे में ये माना जा रहा है कि वो गठबंधन के साथ जा सकती है, कांग्रेस और सपा का रुख़ भी इस पर नरम है, देखना होगा कि वो अपने जन्मदिन पर आगे की रणनीति को लेकर क्या फ़ैसला लेतीं हैं।

ओवैसी की पार्टी बसपा से गठजोड़ के पक्ष में

लोकसभा चुनाव के संदर्भ में उत्तर प्रदेश में अलायंस को लेकर चर्चा जोरों पर है। सपा, रालोद , अपना दल कमेरावादी और कांग्रेस जहां भारतीय राष्ट्रीय विकासशील समावेशी गठबंधन यानी इंडिया अलायंस के परचम तले एक साथ हैं तो वहीं बीजेपी के साथ सुभासपा, निषाद पार्टी और अपना दल एस राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी के झंडे तले है। हालांकि बसपा ने दोनों गठबंधनों से दूरी बना रखी है। इस बीच खबर है कि बहुजन समाज पार्टी और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के बीच अलायंस हो सकता है। इन चर्चाओं के बीच एआईएमआईएम नेता असीम वकार ने बड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि हम उनका (मायावती) सम्मान करते हैं, और अगर उन्हें पीएम पद का दावेदार बनाया जाएगा तो हम (मुसलमान) उनका समर्थन करेंगे।

कर्नाटक में बीजेपी की नए चेहरों पर नजर

लोकसभा चुनाव के लिए अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं। ऐसे में हर भाजपा अलग-अलग रणनीति पर काम कर रही है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी, कर्नाटक में कई नए चेहरे लोकसभा चुनाव में उतारने की तैयारी कर रही है। ऐसे में कई मौजूदा सांसदों के टिकट काटने पर भी विचार हो रहा है। बीजेपी के मौजूदा 25 में से 11 सांसदों के टिकट काटे जा सकते हैं। इस दौरान कई मौजूदा सांसदों ने अलग-अलग कारणों से चुनाव नहीं लड़ने की इच्छा भी प्रकट कर दी है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद सदानंद गौड़ा सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि वे अब चुनाव नहीं लड़ेंगे. जी एम सिद्धेश्वर (72), रमेश जिंगजिंगानी (72) अधिक उम्र के कारण संभवत चुनाव नहीं लड़ेंगे. वहीं, अनंत हेगड़े ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला दिया है. इनके अलावा शिवकुमार उदासी निजी कारणों से चुनाव नहीं लड़ना चाहते. बी एन बच्चे गौड़ा (82), मंगला अंगाडी, जी एस बसवराज, वी श्रीनिवास प्रसाद और वाय देवेंद्रप्पा अन्य सांसद हैं, जो संभवत इस बार चुनाव न लड़ें। सूत्रों की मातें, तो मोटेतौर पर बीजेपी ने तय किया है कि 70 से ऊपर और तीन बार से अधिक चुनाव जीतने वाले नेताओं की जगह नए चेहरों को मौका दिया जाए. हालांकि, इसमें कई अपवाद भी हो सकते हैं. बीजेपी ने इस बार जेडीएस के साथ गठबंधन किया है, संभावना है कि बीजेपी 24 और जेडीएस चार सीटों पर चुनाव लड़े। इस लिहाज से भी बीजेपी की कुछ सीटें अदला-बदली हो सकती है. जेडीएस को कुछ ऐसी सीटें मिल सकती हैं, जहां अभी बीजेपी के सांसद हैं. जेडीएस मांड्या, हासन, तुमकुरु, चिकबल्लापुर और बैंगुलुरु ग्रामीण सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, जबकि बीजेपी उसे कोलार, हासन, मांड्या और बेंगलुरु ग्रामीण देना चाहती है। अभी जेडीएस के पास केवल एक सीट हासन है।

यूपी में मायावती व अखिलेश बिगाड़ेंगे खेल

लोकसभा चुनाव से पहले यूपी में जबरदस्त हलचल देखने को मिल रही है. हर कोई ये जानना चाहता है कि बसपा सुप्रीमो मायावती इंडिया गठबंधन में शामिल होंगी या नहीं। खबरों की माने तो अखिलेश यादव ने बसपा को गठबंधन में लाने के लिए पूरी ताकत लगा दी है। यही नहीं अगर बसपा आती है तो इसके लिए सीट शेयरिंग का फॉर्मूला भी तैयार कर लिया गया है। अब बस मायावती की हां का इंतजार है। बसपा सुप्रीमो मायावती यूपी की ताकतवर नेता है। भले ही विधानसभा में पार्टी का प्रदर्शन बेहद ख़राब रहा हो, लेकिन वोटबैंक के लिहाज़ से देखा जाए तो बसपा सुप्रीमो बड़ी नेता है। इसलिए इंडिया गठबंधन चाहे सपा हो या कांग्रेस उन्हें अपने साथ लाने चाहते हैं. हालांकि मायावती ने

अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। माना जा रहा है कि वो 15 जनवरी को अपने जन्मदिन के दिन कोई बड़ा एलान कर सकती है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी बसपा को इंडिया गठबंधन में लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, इसके लिए प्लान भी तैयार कर लिया गया है। सपा चुनाव में बसपा को 25-30 सीटें दे सकती है। सपा ज़्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है, इसके पीछे वो ये दलील दे सकती है कि विधानसभा चुनाव के लिहाज़ से वो अभी भी यूपी की सबसे बड़ी पार्टी है, हालांकि मायावती इस पर राज़ी होंगी ये कहना मुश्किल है। सूत्रों के मुताबिक सपा 35 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है और बसपा को 25-30 सीटें देने को राज़ी हो सकती है। वहीं कांग्रेस 10 और रालोद को 5 सीटों पर लड़ने के लिए कहा जा सकता है। सपा ने ये आंकड़ा विधानसभा चुनाव के नतीजों को देखते हुए लिया है, हालांकि मायावती 2019 के चुनाव के आधार पर ज़्यादा सीटों की मांग कर सकती हैं क्योंकि तब बसपा ने सपा से दोगुनी सीटें पाई थीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भावनाएं भड़काकर सियासत करना देशहित में नहीं

> भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक सेक्यूलर राष्ट्र है। जहां पर सभी धर्मों के सम्मान की बात कही गई है। पर देश में आजकल देश में अधिसंख्यकों को खुश करने का चलन बढ़ गया है। इस चलन से अल्पसंख्यक कुछ असहज हो रहे हैं। ये असहजता भारत की गंगाजमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचा रहा है। सियासतदानों को इस पर नजर रखने की जरूरत है ताकि भारत की छवि खराब न हो।

देश में कई मुद्दे तारी हैं। बेरोजगारी, महंगाई, भेदभाव फैला है। पर सियासत है कि सबको दरकिनार कर भावनाओं को भड़काने में लगी है। भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक सेक्यूलर राष्ट्र है। जहां पर सभी धर्मों के सम्मान की बात कही गई है। पर देश में आजकल देश में अधिसंख्यकों को खुश करने का चलन बढ़ गया है। इस चलन से अल्पसंख्यक कुछ असहज हो रहे हैं। ये असहजता भारत की गंगाजमुनी संस्कृति को नुकसान पहुंचा रहा है। सियासतदानों को इस पर नजर रखने की जरूरत है ताकि भारत की छवि खराब न हो। हालांकि कांग्रेस व अन्य दल भाजपा सरकार को बार-बार इस पर घेरते रहते हैं, बीच-बीच में सरकार भी संज्ञान लेती है पर उतनी गंभीरता नहीं दिखाती जितनी दिखानी चाहिए। कांग्रेस लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए माहौल बनाने की कोशिश में जुटी है। बीजेपी जहां अयोध्या राममंदिर पर जोर दे रही है, तो कांग्रेस राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की तैयारी करने की तैयारी में है।

इस चुनावी साल में देश का माहौल अपने अनुकूल बनाने की कोशिश के तौर पर जहां सत्तारूढ़ बीजेपी अयोध्या में राममंदिर से जुड़ी गतिविधियों पर अधिक से अधिक जोर दे रही है, वहीं प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का एलान कर दिया है। पिछले साल की भारत जोड़ो यात्रा की कामयाबी से प्रेरित कांग्रेस इस यात्रा को थोड़ा अलग रखते हुए भी चाहती है कि लोग इसे उसी यात्रा की अगली कड़ी के रूप में देखें। इसलिए भले ही लोकसभा चुनावों के मद्देनजर वक्त की कमी का हवाला देते हुए इसे हाइब्रिड मोड में रखा गया है, यानी यात्रा का बड़ा हिस्सा बस में तय होगा और बीच-बीच में पैदल मार्च भी किया जाएगा, लेकिन भारत न्याय यात्रा नाम घोषित कर देने के बाद उसे बदलकर भारत जोड़ो न्याय यात्रा किया गया तो इसके पीछे मकसद यही है कि भारत जोड़ो का संदर्भ कमजोर न पड़ जाए। यात्रा की शुरुआत हिंसा पीड़ित मणिपुर से करना अपने आप में एक बड़ा संदेश है जो कांग्रेस अधिक से अधिक प्रचारित करना चाहेगी। इसके साथ ही यात्रा के केंद्र में न्याय को रखना बताता है कि कांग्रेस इसके जरिए न सिर्फ संवैधानिक मूल्यों पर जोर देना चाहती है बल्कि यह दिखाना चाहती है कि सत्तारूढ़ पक्ष एक धर्म, एक पंथ, एक संस्कृति और एक नेता पर जोर देते हुए भारत की उस मूल दृष्टि को नुकसान पहुंचा रहा है, जो सबके साथ न्याय और सबके साथ उदारता की बदौलत भारत की बहुलता की रक्षा करती रही है। जहां तक इस यात्रा के प्रभावों का सवाल है तो निश्चित रूप से मौजूदा माहौल में इसकी सबसे बड़ी कसौटी आगामी लोकसभा चुनाव को ही माना जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्य सुरक्षा पर असर को लेकर मौजूद चिंताएं

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिकों ने बहुप्रचारित एक नैनो उर्वरक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। वहीं कहा कि यह किसानों के लिए भी फायदे का सौदा नहीं है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा हाल ही में प्रकाशित शोध के अनुसार, नैनो उर्वरक तकनीक अपनाने से गेहूं की पैदावार में 21.6 प्रतिशत और धान की पैदावार में 13 प्रतिशत कमी दर्ज हुई। इसके अतिरिक्त गेहूं और धान के दानों में क्रमश: 17 और 11 प्रतिशत नाइट्रोजन की कमी भी दर्ज हुई जिससे दानों में प्रोटीन की कमी होना स्वाभाविक है।

ज्ञात रहे कि सरकारी संस्था ने 2021 में तरल नैनो यूरिया का विपणन इस दावे के साथ शुरू किया था कि इसकी 4 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त 500 की बोतल 50 किलो परंपरागत यूरिया (46 प्रतिशत नाइट्रोजन) के एक बैग के बराबर है। इसके विपणन के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा खूब प्रचार के बावजूद नैनो यूरिया अभी तक किसानों और कृषि वैज्ञानिकों का विश्वास नहीं जीत पाया। यह न तो फसल के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ और न ही वैज्ञानिक कसौटी पर खरा उतरा। करीब 140 करोड़ मानव आबादी वाले भारत की खाद्य सुरक्षा पिछले 50 वर्षों से मुख्यत: गेहूं और धान फसल के उत्पादन पर आधारित रही है। जिनमें मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से ही, देश में खाद्य सुरक्षा के खतरे की घंटी चुनौती पैदा हो जाती है और सरकार गेहूं आयात करने और चावल निर्यात रोकने पर मजबूर हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में बिना उचित वैज्ञानिक परीक्षण किये नैनो उर्वरकों पर जल्दबाजी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे उर्वरकों को दूसरे उर्वरकों के साथ, कम्पनियों द्वारा बेचना किसानों के हित में नहीं कहा जा सकता है। कृषि वैज्ञानिक इस नैनो उर्वरक का विरोध शुरू से कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल 'प्लांट सॉयल' के अंक 10 अगस्त, 2023 में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों मेक्स फरेंक और सौरेंन हस्टीड ने रहस्योद्घाटन किया है कि नैनो यूरिया के दावे तथ्यहीन हैं। इसके विपणन के लिए प्रचार से देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों में कृषि विज्ञान अनुसंधान में विश्वास कम होने की संभावना है।

इसी तरह की आशंका देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों ने पहले भी व्यक्त की है। जिनके अनुसार तकनीकी तौर पर नैनो यूरिया पारंपरिक दानेदार यूरिया का विकल्प नहीं बन सकता और न ही कृषि विश्वविद्यालयों व संस्थानों ने इसे अपनी फसलों की समग्र सिफारिश में अनुशंसित व शामिल किया है। आर्थिक तौर पर भी नैनो यूरिया किसान हितैषी नहीं है, क्योंकि आधे लीटर नैनो यूरिया का दाम 240 रुपये है जो कि पारंपरिक दानेदार यूरिया के एक बैग यानी 45 किलो के दाम के लगभग बराबर ही है। इन सब तथ्यों के बावजूद, नैनो यूरिया का प्रचार गलत है। इसका वार्षिक लगभग 5 करोड़ बोतल उत्पादन और किसानों को दूसरे उर्वरकों के साथ जबर्दस्ती बेचना हितकारी नहीं है। कृषि रसायन विज्ञान के अनुसार, रासायनिक रूप में एक बैग यानी 45 किलो पारंपरिक यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जिसका मतलब है कि 45 किलोग्राम यूरिया में लगभग 20 किलोग्राम नाइट्रोजन होती है। इसके विपरीत, 500 मिलीलीटर नैनो यूरिया में 4 प्रतिशत नाइट्रोजन की दर से मात्र 20 ग्राम नाइट्रोजन होती है यानी दानेदार यूरिया के मुकाबले हजार गुना से भी कम नाइट्रोजन नैनो यूरिया में होती है। तब जाहिर सी बात है कि नैनो यूरिया की 20 ग्राम नाइट्रोजन दानेदार यूरिया की 20 किलोग्राम नाइट्रोजन की भरपाई कैसे कर सकती है। जहां तक नैनो यूरिया के फसलों के पत्तों पर छिड़काव के कारण ज्यादा प्रभावशाली होने के दावों की बात है तो दानेदार यूरिया भी पूरी तरह से पानी में घुलनशील होने से 2-5 प्रतिशत छिड़काव की सिफारिश पहले ही की हुई है, यानी जो तथाकथित लाभ 240 रुपये दाम वाले आधा लीटर नैनो यूरिया छिड़काव से मिल सकता है, उसे किसान मात्र 12 रुपये दाम के 2 किलो पारम्परिक यूरिया प्रति एकड़ छिड़काव द्वारा पहले से ही ले रहे हैं। कृषि विज्ञान के अनुसार, पौधों को प्रोटीन बनाने के लिए नाइट्रोजन की आवश्यकता होती हैं। भूमि में नाइट्रोजन की कमी से अनाज, तिलहन, आलू आदि फसलों की उन्नत किस्मों के उत्पादन में 50-60 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन के मानदंडों के अनुसार भी 25 क्विंटल अनाज प्रति एकड़ उत्पादन के लिए 62 किलो नाइट्रोजन चाहिए जो 130 किलो यूरिया प्रति एकड़ डालने से मिलेगी। तीन सितम्बर, 2022 के एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक में छपे लेख में चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से मृदा विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रो एनके तोमर ने कहा, भले ही काल्पनिक रूप में, आधा लीटर नैनो उर्वरक 100 प्रतिशत प्रभावी रूप से पौधों को उपलब्ध हो, लेकिन यह केवल 368 ग्राम अनाज पैदा करेगा।

सौर विकिरण व चुंबकीय तूफानों की सुलझेगी गुत्थी

मुकुल व्यास

भारत ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में दो बड़ी सफलताओं के साथ नए साल की शानदार शुरुआत की है। पिछले साल चंद्रमा के सबसे दुर्गम दक्षिणी ध्रुव के पास चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर के मूनवॉक के बाद भारत का दूसरा यान आदित्य-एल1 छह जनवरी को सूर्य का साक्षात्कार करने पहुंच गया है। इससे पहले इसरो ने 1 जनवरी को ब्लैक होल और दूसरी खगोलीय वस्तुओं के अध्ययन के लिए एक्स-रे पोलारिमेटर सैटेलाइट (एक्सपोसेट) का सफल प्रक्षेपण किया था। इस तरह के अध्ययन के लिए यह दुनिया का दूसरा मिशन है। इससे पहले नासा ने 2021 में इस तरह का मिशन भेजा था। सूर्य का करीब से अध्ययन करने के लिए आदित्य-एल1 अंतरिक्ष में अपने निर्धारित स्थान, लग्रेंज 1 प्वाइंट पर पहुंच गया है। इसरो ने यान को इस प्वाइंट के इर्दगिर्द एक त्रिआयामी कक्षा में स्थापित कर दिया है। लग्रेंज 1 प्वाइंट सूर्य की दिशा में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर है।

त्रिआयामी कक्षा में यान को प्रविष्ट कराना तकनीकी दृष्टि से बहुत ही जटिल कार्य था, जिसे इसरो के वैज्ञानिकों ने सटीकता के साथ पूरा किया। इस सूर्य मिशन से भारत दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने सूर्य के अन्वेषण के लिए अपने यान भेजे हैं। आदित्य-एल1 ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएस एलवी-सी57) के जरिए श्रीहरिकोटा से 2 सितंबर को रवाना हुआ था। सूर्य की पड़ताल के लिए यह भारत की पहली अंतरिक्ष-आधारित ऑब्जर्वेटरी है। इसमें 7 अलग-अलग पेलोड हैं,जो सभी स्वदेशी साधनों से विकसित किए गए हैं। पांच पेलोड इसरो द्वारा विकसित किए गए हैं जबकि दो अन्य का विकास इसरो के सहयोग से भारतीय शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किया गया है। यान के पेलोड में सात वैज्ञानिक उपकरण हैं जो सौर कोरोना (सबसे बाहरी परत), फोटोस्फीयर (सूर्य की सतह या वह भाग जिसे हम पृथ्वी से देखते हैं) और क्रोमोस्फीयर (प्लाज्मा की एक पतली परत जो फोटोस्फीयर और कोरोना के बीच स्थित होती है) का निरीक्षण और अध्ययन करेंगे।

एल1 से अभिप्राय सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लग्रेंज प्वाइंट 1 से है। सामान्य समझ के लिए एल1 अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहां सूर्य और पृथ्वी जैसे दो खगोलीय पिंडों के गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित रहते हैं। दूसरे शब्दों में दोनों के बल एक-दूसरे को कैंसल कर देते हैं। इस वजह से वहां रखी वस्तु दोनों खगोलीय पिंडों के बीच अपेक्षाकृत स्थिर रहती है। सभी लग्रेंज स्थानों में से, एल1 को सौर अवलोकनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। एल1 के चारों ओर कक्षा में एक उपग्रह होने का मुख्य लाभ यह है कि यह बादलों द्वारा अवरुद्ध किए बिना या ग्रहणों का अनुभव किए बिना लगातार सूर्य को देख सकता है। इस समय वहां यूरोपीय स्पेस एजेंसी की सोलर एंड हेलिओस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी (सोहो) इस समय वहां मौजूद है। सूर्य, ग्रहों और उनके चंद्रमाओं के बीच गुरुत्वीय अंतर-क्रियाओं के कारण पूरे सौरमंडल में लग्रेंज प्वाइंट मौजूद हैं। आदित्य एल1 अगले पांच वर्षों तक सूर्य पर होने वाली विभिन्न घटनाओं को मापने में मदद करेगा और सभी प्रकार के डेटा एकत्र करेगा जो अकेले भारत के लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

सूर्य हमारे जीवन को कैसे प्रभावित करता है, इसे समझने के लिए यह डेटा बहुत उपयोगी होगा। आदित्य-एल1 ने अपनी यात्रा के दौरान पर अपने हाई एनर्जी एल1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एचईएल1ओएस) पेलोड से सौर ज्वालाओं की पहली झलक देखी है। 29 अक्टूबर को अपनी पहली अवलोकन अवधि के दौरान एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर ने आदित्य-एल 1 पर सौर ज्वालाओं के आवेगपूर्ण चरण को रिकॉर्ड किया। रिकॉर्ड किया गया डेटा अमेरिका के ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के जियोस्टेशनरी ऑपरेशनल एनवायर्नमेंटल सेटेलाइट द्वारा प्रदान किए गए डेटा के अनुरूप है। दरअसल, स्पेक्ट्रोमीटर का डेटा शोधकर्ताओं को सौर ज्वालाओं के आवेगपूर्ण चरणों के दौरान विस्फोटक ऊर्जा का अध्ययन करने में सक्षम बनाता है। यह स्पेक्ट्रोमीटर इसरो के बेंगलुरु स्थित यू.आर.राव सैटेलाइट सेंटर के स्पेस एस्ट्रोनॉमी ग्रुप द्वारा विकसित किया गया था। आदित्य-एल1 पर लगे सोलर अल्ट्रावायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) ने 6 दिसंबर को सूर्य की पहली पूर्ण-डिस्क छवियों को सफलतापूर्वक कैप्चर किया है।

एल1 लग्रेंज प्वाइंट पर यान की तैनाती से आदित्य-एल1 सूर्य को लगातार देख रख सकता है। इस स्थान से अंतरिक्ष यान सौर विकिरण और चुंबकीय तूफानों तक पहुंच सकता है। पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल से प्रभावित होने से पहले सौर विकिरण और चुंबकीय तूफानों को समझना बहुत जरूरी है। इसके अतिरिक्त एल1 बिंदु की गुरुत्वाकर्षण स्थिरता उपग्रह की परिचालन दक्षता को बढ़ाती है और बार-बार कक्षीय रखरखाव प्रयासों की आवश्यकता को कम करती है। सूर्य हमारे सौरमंडल के केंद्र में है। वह अन्य सभी खगोलीय पिंडों के व्यवहार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। सूर्य पर शोध से सौरमंडल की गतिशीलता को समझने में सुधार हुआ है। सौर गतिविधि जिसमें सौर ज्वालाएं और कोरोनल मास इजेक्शन शामिल हैं, पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष पर्यावरण को प्रभावित कर सकती है। विद्युत ग्रिड,नेविगेशनल सिस्टम और संचार नेटवर्क की संभावित खराबी का पूर्वानुमान लगाने और उसे रोकने के लिए इन घटनाओं की गहन समझ की आवश्यकता होती है।

पतंग महोत्सव पर्व

यह पर्व पतंग महोत्सव के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन लोग छतों पर खड़े होकर पतंग उड़ाते हैं। हालांकि पतंग उड़ाने के पीछे कुछ घंटे सूर्य के प्रकाश में बिताना मुख्य वजह बताई जाती है। सर्दी के इस मौसम में सूर्य का प्रकाश शरीर के लिए स्वास्थ्यवर्द्धक और त्वचा और हड्डियों के लिए बेहद लाभदायक होता है।

मकर संक्रांति से बदलता है वातावरण

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति पर्व का विशेष महत्व है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। नए साल का सबसे पहला पर्व मकर संक्रांति होता है। मकर संक्रांति हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार माना जाता है। मकर संक्रांति के बाद नदियों में वाष्पन की प्रक्रिया शुरू हो जाती है, जिससे कई सारी शरीर के अंदर की बीमारियां दूर हो जाती हैं। इस मौसम में तिल और गुड़ खाना काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर को गर्म रखता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि उत्तरायण में सूर्य का ताप शीत को कम करता है। 15 जनवरी मकर संक्रांति के साथ ही ठंड के कम होने की शुरुआत मानी जाती है।

करें सूर्य चालीसा का पाठ

मकर संक्रांति के दिन सूर्य चालीसा का पाठ करना भी अति उत्तम माना जाता है, इसके अलावा आदित्य हृदय स्रोत का जाप आप कर सकते हैं और सूर्य देव से अपने उज्जवल भविष्य की कामना करें। कहते हैं मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव के सामने अन्न, जल, वस्त्र आदि रखें और फिर इन चीजों का दान जरूरतमंद को करें तो सूर्य देव प्रसन्न होते हैं। ऐसे में मकर संक्रांति पर सूर्य देव को अर्घ्य देने के साथ ही यह खास उपाय कर सकते हैं।

मकर संक्रांति पर करें दान

मकर संक्रांति के दिन गरीबों और जरूरतमंदों को दान देना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन खिचड़ी का दान देना विशेष फलदायी माना गया है। इस दिन से सभी शुभ कार्यों पर लगा प्रतिबंध भी समाप्त हो जाता है। इस पर्व पर खिचड़ी सेवन और खिचड़ी दान का अत्यधिक महत्व बताया जाता है। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन प्रसाद के रूप में खाई जाने वाली खिचड़ी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है। इससे पाचन क्रिया सुचारु रूप से चलने लगती है।

तिथि

वैसे तो मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई जाती है लेकिन साल 2024 में मकर संक्रांति का पर्व 15 जनवरी को मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि ग्रहों के राजा सूर्य 14 जनवरी 2024 की अर्धरात्रि 02 :42 मिनट पर मकर राशि में गोचर करेंगे। उदया तिथि 15 जनवरी को प्राप्त हो रही है. ऐसे में मकर संक्रांति 15 जनवरी 2024 को मनाई जाएगी। मकर संक्रांति के साथ ही एक माह का खरमास भी समाप्त हो जाएगा।

इस तरह सूर्य को दें अर्घ्य

अगर आप चाहते हैं कि आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आए तो मकर संक्रांति के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सबसे पहले स्नान करें और स्नान के पानी में गंगाजल जरूर मिलाएं। गंगाजल ना हो तो तुलसी की मंजरी भी डाली जा सकती है। स्नान के बाद साफ-सुथरे या नए कपड़े पहनें और सूर्य देव का ध्यान करें। 21 बार सूर्य नमोस्तु श्लोक का जाप करें। इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए तांबे के लोटे में शुद्ध जल भरें और नंगे पैर घर की बालकनी या छत पर जाएं. सूर्य देव के 12 नामों का जाप करें और इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद तीन बार उसी स्थान पर घूमें, यह सूर्य की परिक्रमा करने के बराबर माना जाता है।

हंसना मना है

पचास वर्षीय-पति-'आज सवेरे शेव करने के पश्चात मैं महसूस कर रहा था कि मेरी उम्र के दस साल कम हो गए।' पत्नी-'क्या कहते हो! अगर इस स्पीड से प्रतिदिन आयु कम होती चली गई, तो एक हफ्ते में आप गायब ही हो जाओगे।'

लड़का लाइब्रेरी से 'बच्चों का पालन-पोषण की पुस्तक लेकर आया।' उसकी मां ने आश्चर्य से पूछा-'क्यों मुन्ने, इस पुस्तक का क्या करोगे? मुन्ने ने जबाव दिया-'मैं इसे पढ़कर ये जानना चाहता हूं कि मेरा पालन-पोषण उचित ढंग से किया जा रहा है की नहीं।'

पत्नी-'मैं तुमसे जो भी कहती हूं आप एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हो।' पति-'किन्तु मैं भी जो कहता हूं आप उसे दोनों कानों से सुनकर मुंह से निकाल देती हो।'

सुरेश-'अरे प्रकाश! हाथ में चोट कैसे लगी।' प्रकाश-'मैंने गाय के दांत गिनने के लिए उसके मुंह में हाथ डाला। उसने मेरी उंगली गिनने के लिए मुंह बन्द कर लिया।'

एक इंसान (दूसरे से)-'आ जाओ, कुत्ते से डरो नहीं।' पहला व्यक्ति-'क्यों, आपका कुत्ता काटता नहीं?' दूसरा व्यक्ति-'यही देखने के लिए तो आपको बुलाया है।'

कहानी | लकड़हारा और सुनहरी कुल्हाड़ी

एक नगर में कुसम नाम का एक लकड़हारा रहता था। वो रोज जंगल लकड़ी काटने के लिए जाता और उन्हें बेचकर अपने लिए खाना खरीद लेता था। एक दिन वह नदी के बगल में लगे एक पेड़ की टहनियों को काटने के लिए चढ़ा। लकड़ी काटते समय कुल्हाड़ी नीचे गिर गई। लकड़हारा अपनी कुल्हाड़ी को ढूंढने लगा। उसे लगा था कि नदी के आसपास उसकी कुल्हाड़ी गिरी होगी और ढूंढने पर मिल जाएगी। लेकिन कुल्हाड़ी नदी में जा गिरी थी। लकड़हारा अपनी कुल्हाड़ी ढूंढता रहा, लेकिन जब लकड़ी नहीं मिली। उसके पास इतने पैसे भी नहीं हैं कि वो नई कुल्हाड़ी खरीद सके। अब वो अपनी स्थिति पर नदी किनारे बैठे-बैठे रोने लगा। रोने की आवाज सुनकर वहां नदी देवता आ गए। उन्होंने पूछा, 'बेटा! क्या हो गया तुम इतना क्यों रो रहे हो। लकड़हारे ने उन्हें अपनी कुल्हाड़ी गिरने की कहानी सुना दी। देवता ने कुल्हाड़ी को ढूंढने में मदद करने की बात कही और वहां से चले गए। कुछ देर बाद नदी के देवता ने कहा कि मैं तुम्हारी कुल्हाड़ी लेकर आ गया हूं। देवता की बातें सुनकर लकड़हारे के चेहरे पर मुस्कान आ गई। दुखी मन से लकड़हारे ने कहा कि यह सुनहरी रंग की कुल्हाड़ी मेरी तो बिल्कुल भी नहीं है। लकड़हारे की बात सुनकर नदी के देवता दोबारा से गायब हो गए। देवता दोबारा नदी से बाहर निकले। इस बार उनके हाथों में चांदी की कुल्हाड़ी थी। उसने कहा कि ये भी मेरी कुल्हाड़ी नहीं है। इस बार भी लकड़हारे की बात सुनकर नदी के देवता फिर वहां से चले गए। पानी में गए भगवान इस बार काफी देर बाद बाहर आए। अब देवता को देखते ही लकड़हारे के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान थी। उसने नदी के देव से कहा कि इस बार आपके हाथ में लोहे की कुल्हाड़ी है और लग रहा है कि ये मेरी ही कुल्हाड़ी है। ऐसी ही कुल्हाड़ी पेट काटते समय मेरे हाथ से नीचे गिर गई थी। आप ये कुल्हाड़ी मुझे दे दीजिए और दूसरी कुल्हाड़ियों को उनके असली मालिक तक पहुंचा दीजिए। लकड़हारे की इतनी ईमानदारी और निष्पाप मन को देखकर नदी के देवता को काफी अच्छा लगा। उन्होंने लकड़हारे से कहा कि तुम्हारे मन में बिल्कुल भी लालच नहीं है। तुम्हारी जगह कोई और होता, तो सोने की कुल्हाड़ी झट से ले लेता, लेकिन तुमने ऐसा बिल्कुल भी नहीं किया। चांदी की कुल्हाड़ी को भी तुमने लेने से इनकार कर दिया। तुम्हें सिर्फ अपनी लोहे की ही कुल्हाड़ी चाहिए थी। तुम्हारे इतने पवित्र और सच्चे मन से मैं काफी प्रभावित हूं। मैं तुम्हें उपहार में सोने और चांदी दोनों की ही कुल्हाड़ी देना चाहता हूं। तुम अपनी लोहे की कुल्हाड़ी के साथ इन्हें भी अपने पास अपनी ईमानदारी के तोहफे के तौर पर रख लो।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
रोजगार में वृद्धि तथा बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें।

वृषभ
अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी।

मिथुन
धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कोर्ट व कचहरी के अटके कामों में अनुकूलता आएगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

कर्क
बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। परिवार का साथ बना रहेगा।

सिंह
कोर्ट व कचहरी में लंबित कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

कन्या
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें।

तुला
किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा।

वृश्चिक
व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है।

धनु
आंखों को चोट व रोग से बचाएं। कीमती वस्तु गुम हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक किसी से भी न करें।

मकर
किसी भी निर्णय को लेने में जल्दबाजी न करें। भ्रम की स्थिति बन सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। थकान व कमजोरी महसूस होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ
कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मीन
परिवार के साथ मनोरंजन का समय मिलेगा। जल्दबाजी में कोई काम न करें। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

फिल्म रेड-2 में आमने-सामने होंगे अजय देवगन और रितेश देशमुख

अजय देवगन की फिल्म रेड 2 पिछले कुछ दिनों से चर्चा में बनी हुई है। निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा तो काफी पहले ही कर दी थी, लेकिन अजय देवगन की हीरोइन के नाम पर मोहर नहीं लगी थी। हाल ही में खबर सामने आई कि अजय के साथ वाणी कपूर नजर आएंगी। वहीं, अब मेकर्स ने फिल्म के विलेन के नाम पर मोहर लग दी है। तो आइए जानते हैं रेड-2 के खलनायक के बारे में...

रेड-2 भी टी-सीरीज के बैनर तले ही बन रही है। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट साझा कर विलेन के किरदार में रितेश देशमुख के हिस्सा बनने की जानकारी दी है। तस्वीर साझा कर लिखा, टकराव के लिए तैयार हो जाएं। विलेन की भूमिका में आपका स्वागत है रितेश देशमुख। तस्वीरों में रितेश, अजय देवगन, रवि तेजा, वाणी कपूर और रेड 2 की टीम के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों पर रितेश के फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं और खुशी जाहिर कर रहे हैं। रेड 2 में रितेश देशमुख पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर अजय देवगन के खिलाफ होंगे। फिल्म में दोनों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलेगा। अजय देवगन अधिकारी अमर पटनायक की भूमिका में नजर आएंगे और उनका लक्ष्य रितेश ही होंगे। फिल्म का पहला भाग रेड 1980 के दशक में सरदार इंदर सिंह पर आईटी विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए वास्तविक जीवन के आयकर छापे पर आधारित था।

निर्देशक राजकुमार गुप्ता और निर्माता भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म की बड़े पैमाने पर शूटिंग मुंबई, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में होने वाली है। रेड का निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने किया है। हाल ही में अजय देवगन ने भी फिल्म के मुहूर्त की तस्वीरें साझा की थीं। यह फिल्म 15 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

हकीकत में खुल के हंसने वाला दिल का होता है अच्छा : पंकज त्रिपाठी

बॉलीवुड के फेमस एक्टर पंकज त्रिपाठी अपनी एक्टिंग के साथ अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। पंकज त्रिपाठी जल्द ही फिल्म मैं अटल हूं में नजर आने वाले हैं। इन दिनों वह अपनी इसी फिल्म के प्रमोशन में बीजी चल रहे हैं। अब हाल ही में, एक्टर ने बॉलीवुड इंडस्ट्री की रूढ़िवादी किरदारों पर अपने मन की बात कही है। गैंग्स ऑफ वासेपुर हो या फिर स्त्री फिल्म पंकज त्रिपाठी ने हर फिल्म में अपना बेस्ट दिया है। अब एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने बॉलीवुड में दिखावे के आधार पर रूढ़िवादी सोच को लेकर खुलासा किया है। एक्टर ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि अगर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी एक व्यवसायी नहीं होते और ऑडिशन के लिए जाते, तो उन्हें कभी भी एक अमीर आदमी के रूप में नहीं लिया जाता, क्योंकि वह वैसे नहीं दिखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि फिल्मों में हीरो धीरे से मुस्कुराता है और विलेन बहुत जोर से, लेकिन अगर असल जिंदगी की बात करें तो हकीकत में खुल के हंसने वाला इंसान ही साफ और नेक दिल का होता है। पंकज ने कहा कि सिनेमा ने एक स्टीरियोटाइप बना दिया है कि एक डॉक्टर इस तरह से दिखता है और इंजीनियर इस तरह से। ऑडिशन के दौरान एक जूनियर आर्टिस्ट की जरूरत होती है, उन्हें क्लियर कहा जाता है कि आपके लुक की खासी रिच रहना चाहिए। इसके आगे उन्होंने कहा कि फिल्मों में हम कैटरीना कैफ जैसे डॉक्टरों को देखते हैं, लेकिन हमने उन्हें कितनी बार एम्स में देखा है। इसके साथ ही एक्टर ने यह भी माना कि पहले की तुलना में चीजें निश्चित रूप से बदल रही हैं। हीरो धीरे से मुस्कुराता है पर विलेन जोर से हंसता है ऐसा हमने फिल्मों में देखा है। हकीकत में खुल के हंसने वाला दिल का अच्छा होता है।

अनुपम खेर ने सेट से तस्वीरें साझा करते हुए लिखा दिल छूने वाला नोट

अनुपम खेर इन दिनों अपनी फिल्म छोटा भीम को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अब उन्होंने लाइव-एक्शन फिल्म छोटा भीम की शूटिंग पूरी कर ली है, जिसकी जानकारी अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए दी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग सेट से कुछ तस्वीरें साझा कीं और बताया कि फिल्म की शूटिंग खत्म हो चुकी है।

तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, और यह छोटा भीम फिल्म के लिए रैप है। क्या खूबसूरत अनुभव है। फिल्म में बच्चों का अभिनय सनसनीखेज है। अभिनय और सहजता के बारे में उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। निर्देशक राजीव चिलाका और इस आनंदमय यात्रा के लिए पूरी टीम का धन्यवाद। प्यार और प्रार्थनाएं हमेशा रहे, जब तक हम दोबारा न मिलें।

इस तस्वीरों में अनुपम खेर किरदार के गेटअप में नजर आए, जिसे उन्होंने फिल्म में निभाया है। अन्य तस्वीर में वे बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं, जिन्होंने फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। वहीं अन्य तस्वीरों में अनुपम फिल्म की कास्ट और क्रू के साथ दिखे। जैसे ही अभिनेता ने तस्वीरें साझा कीं और अब ये वायरल हो गईं और फैंस भी इन तस्वीरों पर खूब प्यार बरसाने लगे। यूजर्स ने कहा कि वे फिल्म के लिए उत्साहित हैं।

छोटा भीम एंड द कर्स ऑफ दमयान फिल्म की घोषणा पिछले साल मुंबई में बहुचर्चित एनीमेशन सीरीज के 15 अविश्वसनीय वर्षों का जश्न मनाने के अवसर पर की गई थी। अनुपम खेर फिल्म में गुरु शंभू की भूमिका निभाएंगे। वहीं, मकरंद देशपांडे स्कंधी की भूमिका निभाएंगे। मुख्य किरदार छोटा भीम को यज्ञ भसीन ने निभाया है और आश्रिया मिश्रा छुटकी के रूप में नजर आएंगी।

मगरमच्छ और घड़ियाल में क्या होता है अंतर, कौन होता है ज्यादा खतरनाक

मगरमच्छ का नाम सुनते ही लोगों में खौफ आ जाता है। भारत में कई नदियां ऐसी हैं जहां मगरमच्छ या घड़ियाल बहुत ज्यादा संख्या में होते हैं और लोग इन नदियों में जाने से डरते हैं। पर दोनों अलग अलग जानवर हैं पर कम लोग जानते हैं कि इनमें अंतर क्या होता है, किसे कैसे पहचान सकते हैं, कौन ज्यादा खतरनाक होता है भारत में किसी संख्या ज्यादा है। मगरमच्छ एक पानी और जमीन दोनों में ही पाया जाने वाला सरीसृप जानवर है। यह जानवर देखने में बड़ी छिपकली की तरह लगता है। लेकिन यह छिपकली से बहुत ही ज्यादा अलग होता है। बहुत से लोग मगरमच्छ की प्रजाति के अन्य जानवर, एलीगेटर या घड़ियाल को भी मगरमच्छ कह देते हैं, वहीं कई लोग इन्हें मगरमच्छ प्रजातियां कह देते हैं। घड़ियाल मगरमच्छ के जैसा जानवर होता है। इसका मुंह अंग्रेजी के यू अक्षर के आकार जैसा होता है। और ये साफ पानी का जानवर अपने उजले रंग की वजह से जाना जाता है। इसके शरीर का निचला हिस्सा सफेद रंग का होता है और इसका मुंह पतला और लंबा होता है। इसके नुथने फूले हुए दिखते हैं। घड़ियाल और मगरमच्छ दोनों ही उभयचर होते हैं। यानी कि वे पानी और जमीन दोनों पर रहते हैं। दोनों की पीठ पर ऊबड़-खाबड़ संरचना होती है जो कांटेदार दिखाई देती है। दोनों के पैर छोटे होते हैं, लेकिन पूछ बहुत ताकतवर होती है। दोनों ही नमक के पानी में रह सकते हैं। घड़ियाल और मगरमच्छ में सबसे बड़ा अंदर दोनों के मुंह का होता है। इन्हीं से इनकी पहचान भी हो सकती है। जहां मगरमच्छ का मुंह वी आकार का होता है घड़ियाल का मुंह पतला, लंबा और यू आकार का होता है। इसके अलावा दोनों के बीच रंग से भी अंतर किया जा सकता है। मगरमच्छ का रंग मटमैला रंग का होता है, वहीं घड़ियाल के रंग में पीलापन होता है और निचला हिस्सा सफेद होता है। कम लोग जानते हैं कि घड़ियाल और एलीगेटर भी अलग अलग परिवार की मगरमच्छ प्रजाति होते हैं। इन दोनों को पहचानना भी आसान होता है। एलीगेटर का मुंह चौड़ा होता है। यह मुंह मगरमच्छ की तुलना में भी थोड़ा चौड़ा होता है। वहीं घड़ियाल का मुंह बहुत पतला होता है। वहीं एलीगेटर का रंग कुछ गहरा स्लेटी होता है, जबकि घड़ियाल जैतूनी रंग का, यानी सफेद और पीला सा, होता है। भारत में घड़ियाल अधिक संख्या में होते हैं। लेकिन ये केवल भारत में ही रह गए हैं और इन्हें ही संरक्षण की जरूरत है। ये गंगा और उसकी सहायक नदियों में सबसे ज्यादा मिलते हैं।

अजब-गजब | इस मंदिर का प्रधानमंत्री मोदी भी कर चुके हैं दर्शन

यहां है स्वर्ग का मंदिर कभी लोगों का यहां जाना था मना

अयोध्या में श्री रामलला के भव्य मंदिर का 22 जनवरी को उद्घाटन होने जा रहा है। पूरा भारत इस उत्सव में शरीक होने के लिए उल्लास से सराबोर है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11 दिनों तक चलने वाले विशेष अनुष्ठान का एलान किया है। शुरुआत नासिक के पंचवटी धाम होगी। यह मंदिर दुनिया को भारत की संस्कृति से परिचित कराएगा। लेकिन क्या आपको पता है कि दुनिया में एक मंदिर ऐसा भी है, जिसे 'द टेंपल ऑफ हेवन' यानी 'स्वर्ग का मंदिर' कहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। इस मंदिर की कहानी काफी दिलचस्प है।

'द टेंपल ऑफ हेवन' चीन के बीजिंग शहर में स्थापित है। 15 वीं शताब्दी में इसका निर्माण किया गया था। ऐतिहासिक साक्ष्यों के मुताबिक, मध्ययुगीन शासन के दौरान चीन के सम्राट को 'भगवान का पुत्र' और सर्वोच्च अधिकारी माना जाता था। सम्राट अच्छी फसल के लिए भगवान से प्रार्थना करते थे। वे इसी मंदिर में जाते थे। इस दौरान शाही समारोह आयोजित किया जाता था। कहते हैं कि प्रार्थना की वजह से राज्य में फसल

काफी अच्छी होती थी। तभी से इसका भगवान से सीधा कनेक्शन माना गया। मंदिर को पृथ्वी और स्वर्ग के बीच के रिश्ते का प्रतीक माना जाता है। इसे चीन के मूल धर्म और दर्शन ताओ धर्म का मंदिर भी कहा जाता है और ताओ के अनुसार ही यहां पूजन और धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं।

2.73 किलोमीटर में फैले लकड़ी से इस मंदिर की बनावट इतनी विस्मयकारी है कि आप मोहित हो जाएंगे। मंदिर परिसर में 600 कमरे और 92 प्राचीन इमारतें हैं। विशाल मंदिर के बीचोंबीच एक गोलाकार संगमरमर का बरामदा है, जिसके केंद्र में प्रार्थना कक्ष बना हुआ है। पूरा मंदिर नीले, लाल और मैरून रंग से सजा हुआ है। हॉल का निर्माण पूरी तरह से लकड़ी से किया गया है, इसमें एक भी कील नहीं लगाई गई है। प्रार्थना कक्ष के अंदर गहरे नीले रंग की छत की टाइलें स्वर्ग सा एहसास कराती हैं। ध्यान और धार्मिक अभ्यास के लिए इसे श्रेष्ठ स्थान माना जाता है। आपको यहां तमाम लोग योगाभ्यास करते हुए, ध्यान लगाते हुए दिख जाएंगे।

जियाजिंग सम्राट जू होउकोंग ने स्वर्ग मंदिर के साथ ही सूर्य का मंदिर, पृथ्वी का मंदिर और चंद्रमा का मंदिर भी बनवाया था। 1911 में स्वर्ग मंदिर को प्रतिबंधित कर दिया गया था। आम लोगों के यहां जाने पर रोक लगा दी गई थी, लेकिन बाद में इसका जिर्णोद्धार कर 1918 में जनता के लिए खोल दिया गया. आज हर साल लाखों की संख्या में लोग इस मंदिर में दर्शन करने के लिए जाते हैं। मई 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 'द टेंपल ऑफ हेवन' यानी 'स्वर्ग का मंदिर' जा चुके हैं। उन्होंने यहां पर योग भी किया था।

लोकतंत्र की जननी को गर्त में डाल दिया : उमर अब्दुल्ला

विधानसभा परिसर में शूटिंग को लेकर राज्यपाल पर भड़के नेकां नेता

» बोले- कभी बनते थे यहां कानून और अब होता है मंचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने प्रदेश के राज्यपाल शासन पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने जम्मू कश्मीर विधान सभा परिसर के अंदर एक टीवी धारावाहिक की शूटिंग की अनुमति देने को लेकर प्रदेश प्रशासन की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे शर्मनाक करार दिया।

उमर ने एक्स पर धारावाहिक की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, लोकतंत्र की जननी का असली चेहरा, जहां एक समय विभिन्न दलों, धर्मों, पृष्ठभूमियों और जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग हिस्सों से चुने गए लोगों के प्रतिनिधि बड़े महत्व के मामलों पर कानून बनाते थे, अब अभिनेता और कलाकार इसे टीवी नाटकों के सेट के रूप में उपयोग करते हैं। ज्ञात हो कि 20 दिसंबर, 2018 को राज्यपाल द्वारा जम्मू-कश्मीर विधानसभा को भंग कर दिया गया था। 20 जून, 2018 को पूर्व राज्य में 25 सदस्यीय भाजपा द्वारा समर्थन वापस लेने के बाद महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई थी। पूर्व राज्य के रूप में राज्यपाल शासन लागू करने से पहले विधानसभा को 19 दिसंबर, 2018 तक निलंबित रखा गया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में कोई विधानसभा चुनाव नहीं हुआ। केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेश- जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया था। केंद्र ने संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को भी रद्द कर दिया, जो पूर्ववर्ती राज्य को एक विशेष दर्जा देता था। लद्दाख बिना विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश है।

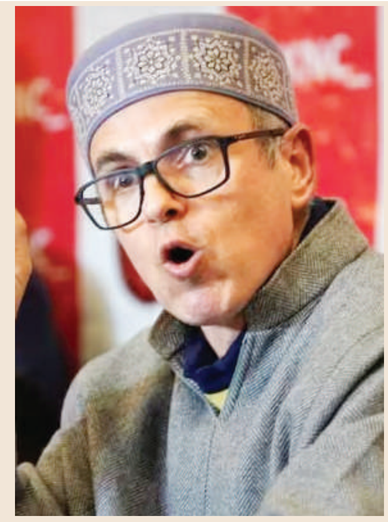

भाजपा संचालित सरकार ने लोकतंत्र को कुचला

उन्होंने कहा कि यह दुखद है जम्मू-कश्मीर में भाजपा संचालित सरकार ने लोकतंत्र के प्रतीक, जहां वे कभी बैठते थे और शासन करते थे, को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। वहां पर हुमा कुरेशी अभिनीत हिंदी भाषा की टीवी श्रृंखला महारानी की शूटिंग पिछले साल जून में जम्मू में विधानसभा परिसर के अंदर की गई थी। यह सीरीज 1990 के दशक में बिहार में हुए राजनीतिक बदलावों से प्रेरित है जब कुख्यात चारा घोटाले में फंसे तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद ने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को अपना उत्तराधिकारी बनाया था।अब्दुल्ला ने आगे लिखा, उनके पास एक नकली सीएम भी है जो उस कार्यालय से आ रहा है जिस पर मुझे छह साल तक रहने का विशेषाधिकार प्राप्त रहा।

बंगाल में भीड़ ने साधुओं को निर्वस्त्र कर पीटा

» यूपी के तीनों साधु, सियासत गरमाई, भाजपा ने ममता सरकार पर बोला हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भीड़ द्वारा साधुओं की पिटाई करने से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो के वायरल होने के बाद भाजपा लगातार राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर हमला बोल रही है। हालांकि, इस मामले पर टीएमसी की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो पोस्ट करते हुए भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ममता बनर्जी को अपनी चुप्पी पर शर्म आनी चाहिए। क्या आपके लिए इन साधुओं की कोई अहमियत नहीं है? हमें इस अत्याचार का जवाब चाहिए।

30 सेकेंड के वीडियो में साधुओं के एक समूह को भीड़ द्वारा निर्वस्त्र कर उन्हें पीटते हुए देखा गया। अमित मालवीय ने इस घटना की तुलना 2020 में पालघर में हुई घटना से की। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में बहुत ही चौंकाने वाला घटना सामने आई है। मकर संक्रांति के लिए गंगासागर जा रहे साधुओं के समूह को सत्तारूढ़ टीएमसी से जुड़े अपराधियों ने निर्वस्त्र कर पीटा।

12 लोगों को किया गया गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के तीन साधुओं की भीड़ द्वारा पिटाई के बाद बारह लोगों को गिरफ्तार किया गया। साधुओं के अपहरणकर्ता होने का संदेह होने के बाद यह घटना बंगाल के पुरुलिया जिले में हुई। साधुओं के अपहरणकर्ता होने का संदेह होने के बाद यह घटना बंगाल के पुरुलिया जिले में हुई। आरोपी को पुरुलिया जिले की एक अदालत में पेश किया जाएगा। साधुओं-एक व्यक्ति और उसके दो बेटों ने मकर संक्रांति त्योहार के लिए गंगासागर पहुंचने के लिए एक वाहन किराए पर लिया था। जैसे ही उन्होंने रास्ते के बारे में पूछताछ की, कुछ स्थानीय लोगों को संदेह हुआ, जिससे उत्तेजित भीड़ ने उन पर अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने साधुओं के साथ और भी मारपीट की। विवरण के अनुसार, तीन किशोर लड़कियां, जिनसे साधुओं ने रास्ते के बारे में पूछा था, चिल्लाई और भाग गई, जिससे स्थानीय लोगों ने साधुओं को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की।

तेलंगाना में बस में आग लगने से जिंदा जली महिला

» खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर कूदे यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के जोगुलम्बा गडवाल जिले में शनिवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। यहां एक निजी बस में आग लगने से एक महिला जिंदा जल गई और चार अन्य यात्री घायल हो गए। यह घटना हैदराबाद-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर एर्राविल्ली चौराहे के पास देर रात करीब 2.30 बजे हुई।

हैदराबाद से चित्तूर जा रही एक निजी ट्रैवल कंपनी की वोल्वो बस पलट गई और उसमें आग लग गई। बस में 40-50 यात्री सवार थे। जब बस में आग लगी तो लगभग सभी यात्री खिड़कियों के शीशे तोड़कर बाहर कूद गए। वहीं, एक महिला आग की लपटों में फंस गई और जलकर मर गई। हादसे में

चार यात्री भी घायल हो गए। उनमें से तीन को गडवाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि चौथे को हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है।

सूचना मिलने पर दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बता दें कि बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस को संदेह है कि ड्राइवर को गाड़ी चलाते समय नींद आ गई जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंजाब : मंत्री अमन अरोड़ा की बढ़ेगी मुश्किल

हाईकोर्ट में दर्ज हुई याचिका, 15 जनवरी को सुनवाई, विधायक के तौर पर अयोग्य घोषित होने के बाद किया ध्वजारोहण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के मंत्री अमन अरोड़ा की मुश्किलें अब और बढ़ने वाली है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में अमन अरोड़ा के खिलाफ याचिका दायर की गई है। दरअसल, 21 दिसंबर 2023 को दोषी करार देने के बाद अमन अरोड़ा को विधायक के तौर पर अयोग्य बताते हुए अमृतसर में ध्वजारोहण से रोकने का निर्देश जारी करने के लिए दायर की गई याचिका पर सोमवार 15 जनवरी को सुनवाई होगी।

संगरूर निवासी अनिल कुमार तायल ने अरोड़ा के खिलाफ दायर याचिका के माध्यम से कहा है कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट अपने एक आदेश में स्पष्ट तौर पर कह चुका है कि अगर कोई अदालत किसी जनप्रतिनिधि 2 या उससे अधिक समय की सजा सुनाती है तो उसे जनप्रतिनिधि एक्ट के तहत अयोग्य माना जाएगा। याचिकाकर्ता की तरफ से आगे कहा गया है कि संगरूर

की कोर्ट की तरफ से मंत्री अमन अरोड़ा को 21 दिसंबर 2023 को आईपीसी की विभिन्न धाराओं में दोषी मानते हुए 2 साल की सजा सुनाई गई थी। जिसके बाद अमन अरोड़ा को अयोग्य करार दिया जाना चाहिए था, लेकिन अभी तक ऐसा किया नहीं गया है। 26 दिसंबर को इस संबंध में मांगपत्र भी दिया गया। अयोग्य व्यक्ति को जिम्मेदारी दिए जाने से लोगों के बीच गलत संदेश जाएगा। याचिकाकर्ता ने अमन अरोड़ा से ध्वजारोहण को रोके जाने की मांग भी की है. हाईकोर्ट इस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा।

राज्यपाल भी मुख्यमंत्री को लिख चुके हैं पत्र

आपको बता दें कि इससे पहले 5 जनवरी को पंजाब के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित भी मुख्यमंत्री भगवंत मान और विधानसभा को पत्र लिखकर अमन अरोड़ा पर कार्रवाई की मांग कर चुके है। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में आगे कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण को लेकर जो सूची जारी की गई है। उसमें मंत्री अमन अरोड़ा को अमृतसर में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी दी गई है।

ध्रुव जुरेल होंगे भारतीय टेस्ट टीम में नया चेहरा

इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित, रोहित कप्तान व बुमराह उपकप्तान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों के लिए चयनकर्ताओं ने भारतीय टीम की घोषणा कर दी। भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया है। रोहित शर्मा 16 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे जबकि जसप्रीत बुमराह उपकप्तान होंगे।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को टीम में शामिल नहीं किया गया क्योंकि वह पिछले साल हुए एकदिवसीय विश्व कप के दौरान लगी चोट से उबर रहे हैं।

शमी हाल में दक्षिण अफ्रीका दौरे

पर गई भारतीय टीम का भी हिस्सा नहीं थे। चोटिल होने के कारण कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के नाम पर भी विचार नहीं किया गया। पहला टेस्ट 25 जनवरी को हैदराबाद में और दूसरा मैच दो फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट के लिए भारतीय टेस्ट टीम इस प्रकार हैं- रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान) और अवेश खान।

हनुमा बिहारी ने आंध्र प्रदेश की कप्तानी छोड़ी

भारतीय खिलाड़ी हनुमा विहारी मौजूदा रणजी ट्राफी में आंध्र टीम की अगुआई नहीं करेंगे क्योंकि गुरुवार को वह कप्तानी से हट गये। आंध्र के ग्रुप बी मैच में मुंबई के खिलाफ रिकी भुई टीम की अगुआई कर रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विहारी का यह निजी फैसला था और वह अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान लगाना चाहते थे। विहारी ने बंगाल के खिलाफ ड्रा रहे पहले मैच में 51 रन बनाये थे। दिलचस्प बात है कि वह सत्र के शुरू होने से पहले मध्य प्रदेश में जाने का विचार कर रहे थे क्योंकि वह अपना अंतरराष्ट्रीय करियर पटरी पर लाने के लिए घरेलू कोच चंद्रकांत पंडित के मार्गदर्शन में खेलना चाहते थे। विहारी ने 16 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है जिसमें उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक से 33.56 के औसत से 839 रन बनाये हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर नहीं थम रही रार

अलका लांबा ने कहा- न्याय यात्रा में सभी वर्गों के लोग होंगे शामिल, राम मंदिर एक धार्मिक संगठन तक सीमित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। रामंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर राजनीति विमर्श व वार पलटवार जारी है। जहां विपक्ष इस आयोजन में बीजेपी द्वारा इवेंट बनाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दे रही है तो वहीं साधू संत पीएम द्वारा 11 दिन के अनुष्ठान करने केनिर्णय का स्वाग किया है। एक तरफ कांग्रेस द्वारा निमंत्रण ठुकराने पर वह विपक्ष के निशाने पर तो आ ही गई है उसके अपने नेता भी मुखर होकर आलोचना कर रहे हैं।

इस बीच महिला कांग्रेस की नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा कि किसी नेता के हाथ से राम मंदिर का उद्घाटन कराना गलत है। राजनीति की अपनी नैतिकता होनी चाहिए, धर्म का राजनीतिकरण करना अनुचित है। राम मंदिर का उद्घाटन किसी धार्मिक नेता द्वारा किया जाना चाहिए था न कि राजनेता द्वारा। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा- भाजपा राम मंदिर के उद्घाटन में जल्दबाजी कर रही है, क्योंकि लोकसभा चुनाव नजदीक है। मंदिर निर्माण पूरा नहीं होने के बाद भी भाजपा इसे खोलना चाहती है। क्या भगवान राम यह देखकर प्रसन्न होंगे?

हमारी लड़ाई जनता के मुद्दों पर जारी रहेगी

देश में बढ़ती बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, किसानों की आत्महत्या और आसमान छूती महंगाई का जिक्र करते हुए लांबा ने कहा- देश में पिछले कुछ समय से आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में जो अन्याय हो रहा है, उसके खिलाफ यह हमारी लड़ाई है। यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक समाज के हर वंचित वर्ग को न्याय नहीं मिल जाता।

गैरराजनीतिक है भारत जोड़ो न्याय यात्रा

इसके अलावा महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा- यह एक गैर राजनीतिक यात्रा है, जिसका उद्देश्य देश में हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना है। वहीं, दूसरी तरफ लोकसभा चुनाव से पहले हो रहे राम मंदिर उद्घाटन को भाजपा गैर-राजनीतिक बता रही है। लेकिन, लोग दोनों की तुलना नहीं कर सकते हैं। हमारी यात्रा में सभी धर्मों, जातियों और संप्रदायों के लोग शामिल होंगे, वहीं, राम मंदिर केवल एक विशेष धार्मिक संगठन तक ही सीमित है। अल्का लांबा ने कहा- हमारी यात्रा भारत जोड़ो यात्रा 2022 की अगली कड़ी है, जो 14 जनवरी को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से शुरू होगी। यह राजस्थान, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात समेत 15 राज्यों के 110 जिलों से होकर गुजरेगी। इस दौरान करीब 8,000 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। 20 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा का मुंबई में समापन होगा।

प्रतिभा सिंह ने राम मंदिर को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की प्रशंसा की

कांग्रेस आलाकमान के अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के फैसले के कुछ दिन बाद पार्टी की हिमाचल प्रदेश इकाई की प्रमुख प्रतिभा सिंह ने मंदिर निर्माण की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सामने आए एक वीडियो में सिंह को यह कहते सुना जा सकता है, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राम मंदिर निर्माण की पहल वास्तव में सराहनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके दिवंगत पति एवं पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की भगवान में गहरी आस्था थी और उन्होंने राज्य में कई मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया।

मायावती को मिला प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने का न्योता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाजवादी पार्टी की प्रमुख मायावती को रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया गया है। यह जानकारी विश्व हिंदू परिषद ने शनिवार 13 जनवरी को दी है। विश्व हिंदू परिषद के मुताबिक मायावती ने राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार किया है।

हालांकि उन्होंने यह भी बताया है कि वह रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होगी। यानी वह रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में शिरकत करने के लिए अयोध्या नहीं जाएंगी। मायावती के अलावा अखिलेश यादव ने कहा था कि 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण उन्हें अब तक नहीं मिला है। इस पर विश्व हिंदू परिषद का कहना है कि उत्तर प्रदेश के दोनों पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मायावती को आमंत्रित किया गया है।

ठिठुरन और कोहरे से घरों में दुबके लोग

» पूरा प्रदेश शीत लहर की चपेट में, जिलों में अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शुक्रवार से शुरू हुआ शीत लहर का दौर शनिवार की सुबह भी जारी रहा। सुबह 10 बजे तक कोहरा छाया रहा। बाद में धूप निकली पर उससे लोगों को राहत नहीं मिला व घरों में ही दुबके रहे। ठंडी पछुआ हवाओं ने हाड़ कंपाना शुरू कर दिया है। कोहरा लगातार घना होता जा रहा है और कई इलाकों में कोल्ड डे कंडीशन बनी हुई है।

शनिवार के दिन की शुरुआत ठिठुरन, गलन और कोहरे से हुई। कानपुर और आगरा शीत लहर की चपेट में रहे। तीन डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ कानपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा। आगरा 3.9 डिग्री तापमान के साथ ठंड में दूसरे स्थान पर रहा।

पूरे प्रदेश में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा और दो से तीन डिग्री तक की कमी दर्ज की गई है। लखनऊ में बृहस्पतिवार जैसे ही हालात रहे और न्यूनतम तापमान गिरावट के साथ 6.5 डिग्री की अपेक्षा 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, शीत लहर जैसे हालात की शुरुआत हो चुकी है।

शीत लहर और शीत दिवस से रहें सतर्क

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, "पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता बनी हुई है। पछुआ हवाएं ठंड बढ़ा रही हैं। आने वाले दो दिन तक ऐसे ही हालात रहने के आसार हैं। हाड़ कंपाती शुष्क ठंड परेशान करती रहेगी इस दौरान घना कोहरा, शीत लहर और शीत दिवस का दायरा बढ़कर प्रदेश के कई अन्य इलाकों तक पहुंचने के आसार हैं।

दिल्ली में शनिवार की सुबह सबसे ठंडी रही

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड और कोहरे का सितम जारी है। दिल्ली के सफदरजंग में आज इस सीजन का सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ठंड और घने कोहरे की स्थिति को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। शनिवार सुबह दिल्ली के कई इलाकों में कोहरा छाया रहा। कई जगहों पर दृश्यता शून्य रही। मौसम विभाग ने आज और कल सर्दी का यलो अलर्ट जारी किया है। अभी कोहरा कुछ दिन सवेरे और शाम को परेशान करने वाला है। मौसम ठंडा बना रहेगा और सर्द हवाएं लोगों की दुश्वारियां बढ़ाएंगी। दिन में बादल छाये रहने से रात का तापमान कुछ बढ़ सकता है। अनुमान है कि 10 जनवरी तक न्यूनतम तापमान बढ़कर आठ डिग्री तक पहुंच सकता है। जबकि अधिकतम तापमान स्थिर रहने का अनुमान है। शीतलहर के कारण कई ट्रेनें देरी से चलने के कारण हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा सरकार में शैक्षणिक स्थिति खराब हो रही: आइशी घोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के इंडिया ब्लॉक से जुड़े सोलह छात्रों के विंग ने नई शिक्षा नीति और शिक्षा के कथित निजीकरण और व्यावसायीकरण के खिलाफ जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। ये छात्र संगठन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के विरोध में यूनाइटेड स्टूडेंट्स ऑफ इंडिया के बैनर तले एक साथ आए हैं।

एसएफआई नेता और जेएनयूएसयू अध्यक्ष आइशी घोष ने कहा कि सरकार द्वारा खर्च किया गया धन पर्याप्त नहीं है। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, कॉलेज खराब स्थिति में हैं और शैक्षणिक स्थिति खराब हो रही है। लगभग 16 छात्र संगठनों ने अपने प्रदर्शन के तहत नई दिल्ली में और1 फरवरी को चेन्नई में मेगा विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। गठबंधन में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), छात्र युवा संघर्ष समिति (सीवाईएसएस), आम आदमी पार्टी (आप) की छात्र शाखा, और अन्य आदिवासी और द्रविड़ छात्र राजनीतिक दल शामिल हैं।

विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्र अपने-अपने संगठनों के झंडे और कुछ तिरंगे के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। पहले, यूनाइटेड स्टूडेंट्स ऑफ इंडिया ने संसद की ओर मार्च की योजना बनाई थी, लेकिन बाद में विरोध प्रदर्शन के लिए जंतर मंतर को चुना गया। विपक्षी छात्र संगठनों का गठबंधन हाल ही में विपक्षी दलों के गुट इंडिया के गठन के अनुरूप है।

फोटो: 4पीएम

धरना 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने 6800 सीटों पर नियुक्ति की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास का किया घेराव।

मुंबई से गुवाहाटी जा रही फ्लाइट की ढाका में हुई इमरजेंसी लैंडिंग

» कांग्रेस नेता बोले - बिना पासपोर्ट विदेश आ गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर हवाई सेवाओं पर सबसे अधिक पड़ रहा है। मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट को शनिवार बांग्लादेश की राजधानी ढाका में इमरजेंसी लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा।

इसकी वजह थी कि गुवाहाटी एयरपोर्ट पर घने कोहरे की वजह से विजिबिलिटी लगभग शून्य हो गई थी। इसके कारण फ्लाइट असम के गुवाहाटी हवाई अड्डे पर नहीं उतर सकी। बाद में फ्लाइट को असम शहर से 400 किलोमीटर से अधिक दूर ढाका की ओर मोड़ दिया गया। इम्फाल में कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने जा रहे मुंबई युवा कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सूरज सिंह ठाकुर भी उस फ्लाइट में मौजूद थे। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि वह मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली फ्लाइट में थे, लेकिन उस फ्लाइट को डायवर्ट कर दिया गया। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैंने मुंबई से गुवाहाटी के लिए इंडिगो 6ई की फ्लाइट संख्या 6ई 5319 ली थी लेकिन घने कोहरे के कारण फ्लाइट गुवाहाटी में नहीं उतर सकी। इसके बजाय, यह ढाका में उतरी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।